कैबिनेट मंत्री यशपाल आर्य ने कॉलेज के नए भवन का किया लोकार्पण

लोकार्पण

संवाददाता

कॉलेज भवन का लोकार्पण करते कैबिनेट मंत्री यशपाल आर्य।

गदरपुर। केलाखेड़ा इंटर कॉलेज के नए भवन का निर्माण हो गया है, जिसका लोकार्पण शनिवार को अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री यशपाल आर्य ने फीता काटकर किया।

इस मौके पर उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री अरविंद पांडे और उप जिलाधिकारी एपी बाजपेई के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। गदरपुर के केलाखेड़ा इंटर कॉलेज के नए भवन का लोकार्पण उत्तराखंड के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री यशपाल आर्य ने फीता काटकर किया। इस मौके पर उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री अरविंद पांडे भी मौजूद रहे। साथ ही इस कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी एपी बाजपई, सीईओ दीपशिखा अग्रवाल और के अलावा अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी शिरकत की।

इस मौके पर शिक्षा मंत्री अरविंद पांडेय ने स्कूली छात्र– छात्राओं को संबोधित करते हुए सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की।.यह वही, उत्तराखंड के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री यशपाल आर्य ने कहा कि यह क्षेत्र हमारे विधायक अरविंद पांडे का है, जो कि उत्तराखंड के शिक्षा मंत्री भी हैं और हम दोनों मिलकर क्षेत्र में शिक्षा को और भी बेहतर बनाने का प्रयास करेंगे।

खैर की लकड़ी के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, जेल भेजा

खैर की लकड़ी के साथ पकड़े गए आरोपी।

(संवाददाता) गदरपुर। दिनेशपुर थाना क्षेत्र के पंचाननपुर गांव के एक घर में पुलिस और वन विभाग की सयुक्त टीम द्वारा छापेमारी की गई। जिसमें 48 खैर के गिल्टे के साथ एक टाटा मोटर वाहन और एक मोटर साइकिल भी बरामद की गई। पुलिस द्वारा मौके से दो तस्करों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। जिनको विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। बताया जा रहा है कि गिरोह में शामिल अन्य तस्कर फरार चल हैं. वहीं, खैर की लकड़ी की किमत अंतरराष्ट्रीय मार्केट में लगभग दो लाख रुपए आंकी गई है। दिनेशपुर पुलिस और वन विभाग की टीम को बड़ी कामयाबी मिली है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

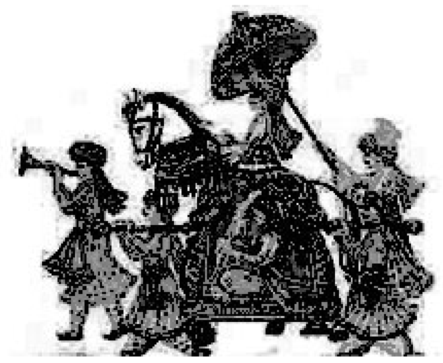

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार करें: डीएम

गंगा जलधारा में रोहू, कतला, नैन, कॉर्प प्रजाति के एक लाख मत्स्य बीज किये संचित

बैठक

संवाददाता

गंगा जलधारा में रोहू, कतला, नैन, कॉर्प प्रजाति के मत्स्य बीज संचित करते हुए डीएम व सीडीओ।

हरिद्वार। नदियों एवं जलधाराओं में विद्यमान मत्स्य सम्पदा के संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु मत्स्य विभाग हरिद्वार द्वारा जलाशयों का विकास योजना अन्तर्गत मत्स्य बीज संचय कार्यक्रम के अंतर्गत आज जिलाधिकारी सी रविशंकर एवं मुख्य विकास अधिकारी विनीत तोमर ने हरकी पैडी ब्रह्मकुण्ड क्षेत्र में गंगा जलधारा में रोहू, कतला, नैन, कॉर्प प्रजाति का एक लाख मत्स्य बीज संचित किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि मत्स्य बीज संचय किये जाने से जलधाराओं एवं नदियों में ह्रास हो रही मत्स्य सम्पदा के संरक्षण एवं संवर्द्धन के साथ–साथ जलीय पर्यावरण भी सन्तुलित रहेगा। उन्होंने जनपदवासियों से नदी एवं जलधाराओं को स्वच्छ रखने एवं जलीय पर्यावरण को सन्तुलित बनाने में अपना सहयोग प्रदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी विभाग राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार–प्रसार करें। सहायक निदेशक मत्स्य अनिल कुमार ने मत्स्य पालकों के लिए चलाई जा विभिन्न योजनाओं की जानकारी जिलाधिकारी को देते हुए बताया कि जनपद में वर्तमान में औसतन 1000 टन प्रतिवर्ष मत्स्य उत्पादन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि आज जो एक लाख मत्स्य बीज गंगा जलधारा में संचित किया गया है, वह जनपद के मत्स्य पालकों से ही प्राप्त किया गया है। कार्यक्रम में श्री गंगा सभा समिति हरिद्वार एवं अंजनी फाउंडेशन द्वारा भी सहयोग किया गया।

इस अवसर पर मुख्य कृषि अधिकारी विकेश कुमार यादव, सहायक निदेशक डेयरी विकास पीयूष आर्या, गंगा सभा समिति के महामंत्री तन्मय वशिष्ठ, सहायक गन्ना विकास अधिकारी शैलेन्द्र नेगी, ज्येष्ठ मत्स्य निरीक्षक जयप्रकाश, यू.पी. सिंह सहित मत्स्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

न्यूज डायरी

विशेष आवश्यकता वाले 21 छात्र–छात्राओं को दिए कृत्रिम उपकरण

(संवाददाता) चमोली। समावेशित शिक्षा के तहत यहां विशेष आवश्यकता वाले 21 छात्र–छात्राओं को दिए कृत्रिम उपकरण वितरित किए गए। एल्मिको संस्था कानपुर द्वारा जरूरतमंद छात्र–छात्राओं को उपकरण उपलब्ध कराए गए। ट्रामा सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक) नरेश कुमार हल्दियानी ने कहा कि आज के समाज में सभी को समानता के अधिकार के तहत सुविधाएं दी जा रही हैं। इस दौरान जरूरतमंद छात्र–छात्राओं को बैशाखी, कान की मशीन, व्हील चेयर आदि उपकरण दिए गए। सकार्यक्रम में उपखंड शिक्षा अधिकारी कैना चौहान, राकेश कुमार डिमरी, भगवती बेंजवाल, एल्मिको कानपुर के आशीष शुक्ला, आदि मौजूद थे।

नरेंद्रनगर से 11 विभागों को नई टिहरी लाने की उम्मीद बढ़ी

(संवाददाता) टिहरी। डीएम के आदेश के बाद एक बार फिर नरेंद्रनगर में जमे 11 विभागों के जिला मुख्यालय हस्तांतरित होने की उम्मीद बढ़ गई है। विभागों की खींचतान को लेकर एक बार फिर राजनीतिक रस्सा–कस्सी बढ़ने की उम्मीद भी है। 2016 में उच्च न्यायलय भी सभी महकमों को जिला मुख्यालय शिफ्ट करने के आदेश कर चुका है, लेकिन राजनीतिक कारणों के चलते यह विभाग जिला मुख्यालय नहीं आ पाये थे। जिलास्तरीय एक दर्जन से अधिक विभाग नरेंद्रनगर में जमे हैं। जिसके चलते टिहरी मुख्यालय आने वाले स्थानीय लोगों को अपने काम के लिए बेवजह नरेंद्रनगर के चक्कर काटने पड़ते हैं। अविभाजित उत्तरप्रदेश में भी इन विभागों को जिला मुख्यालय नई टिहरी स्थानांतरित होने आदेश हुये थे।

भाजपा ने संगठन की मजबूती पर दिया गया जोर

(संवाददाता) पौड़ी। भाजपा नैनीडांडा मंडल की बैठक ब्लाक सभागार नैनीडांडा में आयोजित की गई। बैठक में विकास योजनाओं की समीक्षा के साथ ही संगठन की मजबूती पर जोर दिया गया। मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में नवगठित कार्यकारिणी के सभी सदस्यों का स्वागत किया गया। बैठक में विधायक दिलीप रावत ने कहा कि संगठन के विस्तार के साथ आम लोगों तक कार्यकर्ताओं को पहुंचकर जनसमस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स्वीकृत सभी सड़कों का निर्माण जल्द शुरू किया जाएगा। विधायक ने राप्रावि कसाना, नौणियाखेत, छिटोली, गढ़वाल, राउप्राथमिक विद्यालय अदवाड़ा को एक एक कम्प्यूटर भी प्रदान किए।

नशे के सौदागर महिलाओं के जरिये पहुंचा रहे नशे की खेप

संवाददाता

चमोली। पहाड़ी क्षेत्रों में भी नशे की प्रवृति तेजी से बढ़ रही है। देहरादून, श्रीनगर, नजीबाबाद, रुड़की, सहारनपुर आदि स्थानों से चरस, गांजा, सुल्फा आदि नशे की चमोली जिले में तस्करी हो रही है। नशे के सौदागर महिलाओं के जरिये नशे की खेप चिह्नित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं। 17 से 26 साल के युवा नशे के सर्वाधिक शिकार हैं।

चमोली जिले में चरस, गांजा, सुल्फा और अवैध शराब का धंधा जोरों पर

चमोली जिले में चरस, गांजा, सुल्फा और अवैध शराब का धंधा जोरों पर है। नगरों से दूर पार्किंग स्थल और उनमें खड़े खराब वाहन नशा करने वालों का अड्डा बने हैं। पुलिस आंकड़ों के मुताबिक नशा तस्करी में पकड़े गए आरोपियों में अधिकांश मैदानी क्षेत्र के रहने वाले हैं। इनमें ज्यादातर तस्कर वे होते हैं जो बाइक या स्कूटी से पहाड़ में नशीले पदार्थों को लाकर बेचते हैं। नशे के सौदागर मोबाइल कॉल व व्हाट्स एप ग्रुप बनाकर भी नशे को पहुंचाने का स्थान तय कर रहे हैं।

पुलिस की नजरों से बचने के लिए तस्कर चलते वाहनों से भी नशे की पुड़िया पहुंचाते हैं। मैदानी भागों में युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी देने और नशा छुड़ाने के लिए कांउसलिंग सेंटर बनाए गए हैं, लेकिन पर्वतीय क्षेत्र में ऐसे सेंटरों की कमी बनी हुई है।

चमोली जिले में नशे के दुष्प्रभावों को बताने के लिए एक भी कांउसलिंग सेंटर नहीं बनाया गया है। एनडीपीएस एक्ट के तहत कोकीन, हेरोइन, एलएसडी, चरस, सुल्फा, गांजा आदि नशीले पदार्थों की बरामदगी और उनका सेवन करने पर सजा का प्रावधान है। नशे के अधिकांश सौदागर पढ़े–लिखे और कानून की जानकारी रखने वाले होते हैं। ऐसे में वे एक साथ अधिक मात्रा में नशे की तस्करी नहीं करते हैं, ताकि पकड़े जाने की दशा में कोर्ट से जमानत आसानी से मिल जाए।

अधिकांश मामलों में यह भी देखा गया है कि जमानत पर छूटने के बाद आरोपी फिर से नशे के कारोबार में संलिप्त पाए जाते।

पीपीपी मोड में विद्यालय चलाने का ग्रामीण कर रहे विरोध

(संवाददाता) कोटद्वार। राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज जयहरीखाल को सरकार द्वारा हंस फाउंडेशन के साथ एमओयू साइन कर आवासीय विद्यालय बनाये जाने का जीओ जारी कर दिया है। जिसके बाद से ही स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला रहा है। लोगों का कहना है कि सरकार स्पष्ट करें कि विद्यालय पीपीपी मोड में चलाने से आसपास के क्षेत्रों के बच्चों के पठन–पाठन का क्या होगा। पौड़ी जिले के जयहरीखाल में प्रदेश का पहला आवासीय स्कूल खुलने का रास्ता साफ हो गया है। सरकार ने इसके लिए जीओ जारी कर दिया है।

मुख्यमंत्री इस समिति के अध्यक्ष और शिक्षा मंत्री उपाध्यक्ष होंगे। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार ने स्कूल को हंस फाउंडेशन को कैसे दे दिया, यह ग्रामीणों द्वारा दान दी गई भूमि है। उन्हें अपने बच्चों के भविष्य की चिंता सता रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां वही बच्चे अध्ययन करेंगे जो इंटरव्यू में पास होंगे। ऐसे में यहां पढ़ रहे बच्चों के भविष्य का क्या होगा।